ED-201

M.A. 1st Semester
Examination, March-April 2021

HINDI

Paper - I

हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल एवं पूर्वमध्यकाल)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। अशुद्धियों पर अंक काटे जाएँगे।

1. ''साहित्यिक प्रवृत्तियों और रीति-आदर्शों का साम्य-वैषम्य ही साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन का आधार हो सकता है।'' इस कथन से अपनी सहमति-असहमति को तार्किक दृष्टि से व्यक्त करते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन संबंधी विभिन्न विद्वानों के विचारों का परिचय दीजिए। 15

अथवा

हिन्दी साहित्य के इतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता क्यों है तथा इसमें क्या समस्याएँ हैं ? स्पष्ट कीजिए।

2. रासो काव्य परम्परा का संक्षिप्त परिचय देते हुए रासो काव्य की विशेषताएँ बताइए। 15

अथवा

सिद्धों एवं नाथों के साहित्य की विशेषताएँ बताते हुए इनके पार्थक्य-बिन्दु का परिचय दीजिए।

3. भक्तिकालीन समाज दर्शन की विवेचना कीजिए। 15

अथवा

भक्ति आन्दोलन विषयक विभिन्न मत्तों का संक्षिप्त परिचय देते हुए भक्तिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

4. राम काव्य-धारा एवं कृष्ण काव्य-धारा के साम्य-वैषम्य की विवेचना कीजिए। 15

अथवा

निर्गुण काव्य-धारा की विशेषताएँ बताइए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2

(क) जैन साहित्य : परिचय

(ख) आदिकालीन लौकिक साहित्य का महत्व

(ग) अष्टछाप के कवियों का साहित्यिक अवदान

(घ) आदिकाल के नामकरण की समस्या

6. (क) (*i*) हिन्दी साहित्येतिहास के आठवीं से बारहवीं शताब्दी तक के समय को 'सिद्ध-सामन्त युग' नाम किस विद्वान ने दिया है ? 1

(*ii*) 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' का रचनाकार किसे मानते हैं ? 1

(*iii*) राहुल सांकृत्यायन ने सिद्धों की संख्या कितनी बताई है ? 1

(*iv*) 'संदेश रासक' के रचयिता का नाम लिखिए। 1

(*v*) नाथों की संख्या कितनी मानी गई है ? 1

(ख) उच्चित सम्बन्ध जोड़िए : 5

(*i*) देवसेन — कविप्रिया

(*ii*) लौकिक साहित्य — प्रेमवाटिका

(*iii*) कुतुबन — मृगावती

(*iv*) केशवदास — ढोला-मारू रा दूहा

(*v*) रसखान — श्रावकाचार्य

———